रात्रि क्लास 13/11/68 ओमशांति शिवबाबा याद है?

हम सभी भाइयों अथवा बहनों को एक बाप पढ़ाते हैं। लेता कुछ भी नहीं। उनके पास लेने की बात ही नहीं। देने की बात है। बच्चों को तो खुशी का पारा चढ़ना चाहिए। यह तो सभी जानते हैं वह बाप, टीचर, गुरु है। यह भी जानते हैं बाबा बेगर टू प्रिंस बनाने गारंटी उठाई है। सिर्फ बच्चे पद पा नहीं सकते हैं। ताकत रखना चाहिए। नाम ही है सहजराज़, सहज ज्ञान। सेकण्ड में जीवनमुक्ति; परंतु बच्चों में ताकत नहीं जो याद कर सकें। बच्चे होकर और बाप को याद न करें तो वर्सा कैसे पा सकते हैं? बाप कहते हैं मुझे याद करते रहो। दैवी गुण धारण करो तो विश्व के बादशाही देंगे। बड़ा सहज भी है। सृष्टि के आदि-मध्य-अंत को जानो। स्वदर्शनचक्रधारी बनो। कितना सहज है! स्वदर्शनचक्रधारी तुम हो। तुम्हारे लिए यह एमऑबजेक्ट है। स्वदर्शनचक्रधारी बनने से फिर तुम राजधानी पा सकते हो। बड़ा मुश्किल पाते हैं। बच्चों को बड़ा वण्डर लगना चाहिए। बाबा की समझानी बड़ी वण्डरफुल, बहुत सहज है। वण्डरफुल दुनिया का मालिक बनना है। माया के स.... वण्डर्स कहते हैं। वह है नर्क के वण्डर्स। स्वर्ग है एक वण्डर। तुम बच्चों को लक्की सितारे कहा गया है। बाप कहते हैं तुम श्रीमत पर अपने लिए धर्म की स्थापना करते हो। यह बहुत सुख देने वाला है। कितना छोटा झाड़ होगा। सोने, हीरे चमकते रहेंगे। 5 तत्व भी तुम्हारे ऑर्डर में रहते हैं। बच्चों को यह सिमरण कर सदैव हर्षित रहना चाहिए। पुरुषार्थ कर ईश्वरीय लॉटरी जीतनी है। यह ईश्वरीय लॉटरी है 21 जन्मों लिए। नम्बरवार पुरुषार्थ अनुसार लॉटरी पानी है और धंधा आदि छोड़ इस लॉटरी पाने में लग जाना है। रोटी टुक्कड़ तो मिलता ही है। न बहुत ऊँच, न बहुत नीच। आत्मा के लिए भोजन यह एक ही है, जो रोज़ खाना चाहिए। रोज़ न खावेंगे तो घाटा पड़ जावेगा और अपन को गॉडली स्टूडेंट समझो। हमको ईश्वर पढ़ाते हैं, यह भी याद रहे तो तुमको खुशी हो। स्टूडेंट को तो बहुत खुशी होनी चाहिए। अच्छा, रूहानी बच्चों को रूहानी बाप दादा का याद प्यार गुडनाइट और नमस्ते।